प्रेस नोट

दीव में सत्य और अहिंसा के पुजारी गांधी की 150वीं जयन्ती का किया गया भव्य आयोजन

दीव, दिनांक 2/10/2019 : आज 2 अक्तूबर, 2019 को दीव में गांधी जयंती का भव्य आयोजन किया गया । दीव जिला समाहर्ता एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती सलोनी राय की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम चक्रतीर्थ बीच के पास गांधी प्रतिमा स्थल पर आयोजन किया गया । कार्यक्रम में दीव पुलिस अधीक्षक श्री हरेश्वर स्वामी, दीव नगरपालिका प्रमुख श्री हितेशभाई सोलंकी, उप समाहर्ता श्री हरमिन्दर सिंह, दीव जिला पंचायत कार्यकारी अधीकारी श्री वैभव रिखारी सहित पुलिस उपाधीक श्री रविन्द्र शर्मा, निर्वाचित जन प्रतिनिधिगण, पटेलगण, सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारियों सहित पत्रकार मित्रों की इस कार्यक्रम में उपस्थिति रही । सबसे पहले प्रिय गांधीजी का प्रिय भजन- "वैष्णव जन तो तेने कहिये, पीर पराई जो जाने रे" गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । संगीत शिक्षक श्री जिग्नेश तिलावट व श्रीमती वंदना कामलिया सहित विद्यालय के कुछ छात्राओं ने सुमधुर भजन का प्रस्तुतीकरण किया । इसके बाद समाहर्ता महोदया सहित नगरपालिका प्रमुख एवं विशिष्ट आमंत्रित व्यक्तियों द्वारा पूज्य बापुजी की 150वीं जयन्ती पर दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद श्रद्धा सुमन एवं धागे की माला अर्पित की गई व शेष अधिकारियों ने सद्भाव के साथ पुष्प अर्पण किये ।

दो अक्तूबर, 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत अभियान के लिए देशवासियों को आह्न किया था । उन्होंने कहा था कि गांधीजी के आदर्श एवं सत्य व अहिंसा को हमें अपने जीवन में उतारकर जीवन को महत्वपूर्ण बनाना चाहिए । बापू के विचार और आदर्श आज न सिर्फ भारत में बल्कि सारे विश्व में प्रासंगिक है । इसलिए उपस्थित व्यक्तियों ने स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त, खुले में शौच न करने की शपथ ली ।

तत्पश्चात नगरपालिका के स्वच्छता कर्मचारियों को स्वच्छता बनाये रखने के लिए पुरस्कार प्रदान किये गए व लाभार्थियों को पौधा यानि ग्रीन किट वितरित किये गए । पुन: जुनागढ में दीव के जो एन.सी.सी विद्यार्थी उत्कृष्ट प्रदर्शन किये थे, उन्हें पुस्तक वितरित कर पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम के बीच में अध्यापिका श्रीमती प्रतिभा स्मार्ट द्वारा भारत मॉ के लाल, गांधीजी के विचार व आदर्श के बारे में कविता पाठ किया गया ।

दीव नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष श्री हितेशभाई सोलंकी द्वारा गांधीजी के बारे में विचार प्रकट किया गया । उन्होंने बताया कि आज का दिन खुब महत्वपूर्ण है, शुभ दिवस है । महामानव गांधीजी ने सत्य, अहिंसा और प्रेम को परमोधर्म मानते हुए इसीके आधार पर हमारे भारत की पवित्र भूमि से अंग्रेजों को हटाया था । उन्होंने देश के लिए अपने परिवार सहित सर्वस्व त्याग कर देश को स्वतंत्रता दिलाई थी । इसलिए संयुक्त जातिसंघ द्वारा लिये गए निर्णय के अनुसार 02 अक्तूबर को सारे विश्व में अहिंसा दिवस मनाया जाता है । दीव के निवासियों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिक, समाज के महत्वपूर्ण व्यक्ति अगर संकल्प के साथ 5 व्यक्तियों को स्वच्छता का महत्व बतायेंगे और ये 05 व्यक्ति अगले पॉच व्यक्तियों को स्वच्छता की जानकारी देंगे, तो दीव जैसे छोटी जगह पर यह संदेश फैल जायेगा और हमारा दीव सुन्दर से अति सुन्दर बन जायेगा ।

अंत में माननीय समाहर्ता महोदया ने अपने प्रखर वक्तव्य में बताया कि गांधीजी का जो सिद्धांत व विचार था, वो आज भी प्रासंगिक है । गांधीजी इतने महान प्रतिभासंपन्न थे कि उनके आदर्श और विचार को ध्यान में रखकर आज के दिन को अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है । उन्होंने दीव को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक मुक्त बनाने और खुले में शौच न करने के लिए दीव के नगरवासियों को आह्वान किया और इस पुनीत कार्य में उन सबका सहयोग की अपेक्षा की । उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को बताया कि इस कार्यक्रम के अंत में अपने कार्यालय में सफाई करें, ताकि हम जिस परिवेश में हैं, उसे साफ रखना हमारा कर्तव्य बनता है ।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री जमनादास घेडिया जी ने किया और अंत में उप समाहर्ता श्री हरमिन्दर सिंह ने माननीय समाहर्ता, पुलिस अधीक्षक सहित उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया ।